



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रान्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 47] नई विट्ठली, शनिवार, जनवरी 22, 1972/ माघ 2, 1893

No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1972/ MAGHA 2, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रन्ति संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

ORDER

New Delhi, the 21st January 1972

S.O. 63(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for securing the defence of India and for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike or lockout in any service in the State of Kerala connected with the supply of electric energy to the public or with the generation, storage or transmission of electric energy for the purpose of such supply and in the works connected with the IDIKKI Hydro-electric Project would prejudicially affect the defence of India and for maintaining supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said Service;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits, with immediate effect, strike or lockout, in connection with any industrial dispute, in the said service for a period of six months.

[No. F. S. 42025/1/72-LRI.]

R. ANANDAKRISHNA, Jt. Secy.

श्रम और पुनर्जीवि मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1972

का० फा० ६३(आ).—यह केन्द्रीय सरकार की गाय में भारत की रक्षा मनिष्ठित करने के लिए और समृद्धार्थ के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय आंग सेवाएं बनाएं रखने के लिए ऐसा करना आवश्यक और गमीचीन है;

आंग गन. कर्तव्य राज्य में जनना को विद्युत ऊर्जा के प्रदाय से या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत ऊर्जा के जनन भवित्वारकरण या मनवरण से सम्बन्धित किसी सेवा रे और इहुकी जनविद्युत परियोजना से सम्बन्धित मंकर्म में कोई हड्डताल या तालाबन्दी भारत की रक्षा पर और समृद्धाय रे जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवाओं को बनाए रखने के लिए, प्रतिकूल प्रभाव दालेगी, इसलिए उक्त सेवा में हड्डताल को रोकना आवश्यक और समीचीन है,

अतः, अब, भारत रक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा, उक्त सेवा में किसी भी आंदोलिक विवाद से सम्बन्धित हड्डताल या तालाबन्दी को तुरन्त में उह भाग को अवधि के लिए प्रतिविहृत करना है।

[तं० का० घम०-42025/1/72—एन०ग्रार०ग्राई०]

ग्रार० आनन्दाकृष्ण, समृद्धि मर्जिष।